(चुनाव चिन्हः झाड़ू)

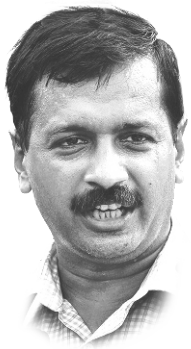

अरविंद केजरीवाल का दिल्लीवासियों के नाम पत्र

दिल्ली में चुनाव चाहिए, पूर्ण बहुमत की सरकार चाहिए

मेरे प्यारे दिल्लीवासियों,

पिछले कई महीनों से दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लागू है। कोई चुनी हुई सरकार नहीं है। भाजपा दिल्ली में चुनाव नहीं कराना चाहती क्योंकि भाजपा को लगता है कि अगर चुनाव कराए गए तो भाजपा बुरी तरह से हार जाएगी। कांग्रेस भी चुनाव नहीं कराना चाहती। क्योंकि यह साफ़ हो गया है कि इस बार चुनावों में कांग्रेस का तो बिल्कुल ही पत्ता साफ़ हो जाएगा। आम आदमी पार्टी चाहती है कि दिल्ली में चुनाव कराके लोगों को चुनी हुई सरकार दी जाए।

1. महंगाई से जूझती दिल्ली की हर गृहणी चुनाव चाहती है: हर चीज़ महंगी होती जा रही है। क्यों? सब्ज़ियां क्यों इतनी महंगी हो गई हैं? ये बात ठीक है कि दूसरे राज्यों से ही दिल्ली में सब्ज़ियां महंगी आ रही हैं। पर दिल्ली में आने के बाद भ्रष्टाचार की वजह से सब्ज़ियों के दाम दो से तीन गुने हो जाते हैं। जैसे ही एक सब्ज़ी का ट्रक दिल्ली में घुसता है, उसे बार्डर पर चुंगी वालों को रिश्वत देनी पड़ती है। हर रेड लाइट पर ट्रैफिक पुलिस को पैसे देने पड़ते हैं। मंडी के गेट पर पैसे देने पड़ते हैं। फिर मंडी में आढ़ती प्रति किलो 5 से 10 रुपये फालतू लेता है। यह पैसा अफसरों और नेताओं को जाता है। और अंत में जिस रेहड़ी वाले से आप सब्ज़ी खरीदते हैं, वो रेहड़ी वाला पुलिस, स्थानीय प्रधान और एम.सी.डी. वालों को पैसे देता है। आपके घर तक पहुंचने में इतनी रिश्वतखोरी है, इस वजह से इतनी महंगाई है। आम आदमी पार्टी की 49 दिन की सरकार में ट्रैफिक पुलिस, चुंगी और एम.सी.डी. वालों ने पैसे लेने बंद कर दिए थे। महंगाई काफी कम हो गई थी। आज दिल्ली की हर गृहणी, जो महंगाई से परेशान है, वह चाहती है कि दिल्ली में जल्द चुनाव कराये जाएं और इस बार पूर्ण बहुमत से आम आदमी पार्टी की सरकार बनाई जाये।

2. बढ़े बिजली के बिलों से परेशान हर दिल्लीवासी चुनाव चाहता है: दिल्ली वालों के बिजली के बिल तीन-तीन गुणा बढ़कर आ रहे हैं। एक व्यक्ति ने दिखाया कि कांग्रेस के वक्त उसका 1112/- रुपये का एक महीने का बिल आया था। आम आदमी पार्टी के समय उसका 375/- रुपये का एक महीने का बिल आया। और अब भाजपा के राज में 1172/- रुपये का बिल आया है। आम आदमी पार्टी ने लोगों के बिजली के बिल खूब कम कर दिए थे। दिल्ली का हर वो शख़्स जो आज बिजली के बिलों से परेशान है, वह चाहता है कि दिल्ली में तुरंत चुनाव हों और इस बार पूर्ण बहुमत से आम आदमी पार्टी की सरकार बने।

3. बिजली कटौती से परेशान हर दिल्लीवासी चुनाव चाहता है: सरकार का कहना है कि दिल्ली में बिजली की कमी नहीं है। प्रश्न उठता है कि फिर दिल्ली में इतने लंबे-लंबे पावर कट क्यों लग रहे हैं? इसका एक ही कारण है- इन बिजली कंपनियों की मनमानी। ये ठीक से मेंटेनेंस नहीं कर रही, दिल्ली की बिजली ज़्यादा दामों में दूसरे राज्यों को बेच देती हैं और जनता की शिकायतों पर कोई ग़ौर नहीं करती। भाजपा इन कंपनियों को ठीक क्यों नहीं करती? इससे शक़ होता है कि भाजपा इनके साथ मिली हुई है। पहले कांग्रेस इनके साथ मिली हुई थी। आम आदमी पार्टी की सरकार ने इन बिजली कंपनियों को टाइट किया था। इन कंपनियों का ऑडिट शुरू करवाया था। मैंने मुख्यमंत्री होते हुए इन कंपनियों को चेतावनी भी दी थी कि यदि ये कंपनियां गड़बड़ करेंगी तो इनका लाइसेंस रद्द करके नई कंपनी ले आएंगे। आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान कभी बिजली नहीं गई। आज दिल्ली में जितने लोग बिजली कटौती से परेशान है, जितने लोग बिजली कंपनियों की गुंडागर्दी से परेशान हैं, वो सब चाहते हैं कि दिल्ली में तुरंत चुनाव हों और इस बार पूर्ण बहुमत से आम आदमी पार्टी की सरकार बने।

4. पानी के लिए जूझता हर दिल्लीवासी चुनाव चाहता है: दिल्ली के कई इलाकों में पानी नहीं आता। इसका कारण है कि जल बोर्ड का पानी चोरी करके टैंकरों में बेचा जा रहा है। जो पानी आपके घर के नल में आना चाहिए, वो आपको टैंकर माफिया से खरीदना पड़ता है। आम आदमी पार्टी की 49 दिन की सरकार के दौरान टैंकर माफिया को बंद करके दिल्ली जल बोर्ड के टैंकर फ्री में लोगों को मिलने लगे थे। जिन इलाकों में जल बोर्ड की पाइपलाइन है, वहां भी पानी की सप्लाई अधिक समय के लिए होने लगी थी। आज दिल्ली का हर वो निवासी, जिसे पानी नहीं मिल रहा, वो चाहता है कि तुरंत चुनाव हों और इस बार पूर्ण बहुमत से आम आदमी पार्टी की सरकार बने।

5. बढ़े हुए पानी के बिलों से परेशान लोग चुनाव चाहते हैं: कांग्रेस के समय में लोगों के हज़ारों रुपये के पानी के बिल आते थे। आम आदमी पार्टी ने 20 हज़ार लीटर पानी हर महीना प्रति परिवार मुफ़्त कर दिया। इससे 80 प्रतिशत से ज़्यादा दिल्ली की जनता को फ्री में पानी मिलने लगा। लेकिन अब भाजपा के समय में फिर से लोगों के हज़ारों रुपये महीने के बिल आने लगे हैं। ये सभी लोग चाहते हैं कि दिल्ली में तुरंत चुनाव हों और इस बार पूर्ण बहुमत से आम आदमी पार्टी की सरकार बने।

6. पुलिस और एम.सी.डी. की दादागिरी और रिश्वतखोरी से परेशान हर ऑटोवाला, ई-रिक्शावाला और रेहड़ीवाला चुनाव चाहता है: पुलिस वाले ऑटोवालों, ई-रिक्शावालों और रेहड़ी वालों को परेशान करके पैसे लेते हैं। 49 दिन आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान पुलिस वालों ने पैसे लेने बंद कर दिए थे। लेकिन अब भाजपा के समय में पुलिस वालों ने इन्हें फिर से परेशान करना शुरू कर दिया है। उसी तरह से एम.सी.डी. वाले जनता को परेशान करके पैसे ऐंठते हैं। कोई भी बिल्डिंग बनाओ तो पुलिस और एम.सी.डी. वाले पैसे लेने पहुंच जाते हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार में एम.सी.डी. वालों ने भी पैसे लेने बंद कर दिए थे। आज दिल्ली का हर वो आदमी, जो सरकारी भ्रष्टाचार से दुखी है, वो चाहता है कि दिल्ली में तुरंत चुनाव हों और इस बार पूर्ण बहुमत से आम आदमी पार्टी की सरकार बने।

7. दिल्ली का हर व्यापारी तुरंत चुनाव चाहता है: कांग्रेस और बीजेपी के राज में व्यापारियों को बुरी तरह से सताया जाता रहा है। उन पर आए दिन टैक्स और खाद्य विभाग की रेड (छापामारी) हो रही है। मोटी रिश्वत वसूली जा रही है। व्यापारियों को चोर, डाकू और जमाखोर कहकर बेइज़्ज़त किया जाता है। और अब भाजपा ने ऐलान किया है कि ''रिटेल में FDI'' पर भाजपा भी कांग्रेस की नीतियां ही लागू करेगी यानि रिटेल में FDI लाया जाएगा। यह तो भाजपा का सबसे बड़ा धोखा है। आम आदमी पार्टी के 49 दिनों में रेड-राज बिल्कुल बंद हो गया था। टैक्स विभाग की गुंडागर्दी बंद कर दी गई थी। मैंने व्यापारियों के साथ कई मीटिंग करके कहा था कि टैक्स रेड-राज के जरिए नहीं बल्कि व्यापारियों के सहयोग से इकट्ठा किया जाएगा। पहली बार व्यापारी सम्मानित महसूस करने लगे थे। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में रिटेल में FDI लाने पर भी पाबंदी लगा दी थी। आज दिल्ली का हर व्यापारी चुनाव चाहता है और इस बार पूर्ण बहुमत से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार चाहता है।

8. दिल्ली का हर सिपाही चुनाव चाहता है: दिल्ली पुलिस रिश्वतखोरी और गुंडागर्दी के लिए बदनाम है। लेकिन आप एक छोटे सिपाही से बात कीजिए तो उसका दर्द पता चलेगा। एक पुलिसवाले से कई बार 36 घंटे लगातार ड्यूटी ली जाती है। उनके घर टूटे हुए हैं। उनके बच्चों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य की कोई अलग व्यवस्था नहीं है। ऊपर से सीनियर अफ़सर हर महीने पैसे मांगते हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार में ऊपर वालों ने पैसे मांगने बंद कर दिय थे। ऊपर वाले डरने लगे थे। पहली बार ऐसा हुआ कि एक पुलिसवाले के शहीद होने पर केजरीवाल की सरकार ने उस पुलिसवाले के परिवार को 1 करोड़ रुपये का मुआवज़ा दिया और उसके परिवार को सम्मानित किया। पहली बार पुलिस वालों को किसी ने सम्मान दिया था। अब दिल्ली पुलिस के हर जवान को यकीन हो गया है कि केवल आम आदमी पार्टी ही उन्हें सम्मान दिला सकती है और उनकी समस्याओं का निदान कर सकती है। दिल्ली का हर ऐसा पुलिसवाला तुरंत चुनाव चाहता है।

9. ठेकेदारी से शोषित हर कर्मचारी चुनाव चाहता है: कांग्रेस ने अपने 15 वर्षों के राज में सरकारी भर्तियां करनी बंद कर दीं और सभी कर्मचारियों को कच्चे में ठेके पर लेने लगीं। एम.सी.डी. में भी भाजपा ने यही किया है। पहली बार आम आदमी पार्टी ने 49 दिनों में ही 36,000 ठेके के कर्मचारियों को पक्का कर दिया और अन्य सभी को पक्का करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। आज ठेके पर काम कर रहे सभी कर्मचारियों को केवल आम आदमी पार्टी से ही उम्मीद है। ये सभी लोग तुरंत चुनाव चाहते हैं।

5 साल की ईमानदार सरकार

कुछ लोग 49 दिनों में इस्तीफ़ा देने पर मुझसे नाराज़ हैं। पर यह समझना पड़ेगा कि मैंने इस्तीफा क्यों दिया? पिछली बार आपने आम आदमी पार्टी को केवल 28 सीट दीं। दिल्ली की सरकार चलाने के लिए 36 सीट चाहिए। 8 सीट कम रह गईं। कांग्रेस ने बाहर से समर्थन दिया और जनता के कहने पर आम आदमी पार्टी ने सरकार बना ली। लेकिन कांग्रेस ने एक काम नहीं करने दिया। हर काम में टांग अड़ाते थे। जब काम करना नामुमकिन हो गया तो मुझे इस्तीफा देना पड़ा। इस बार आप 50 सीटें देकर आम आदमी पार्टी की सरकार बनायें। हम 5 साल काम करके दिखाएंगे।

Arvind

अरविंद केजरीवाल

आम आदमी पार्टी

ए–119, कौशांबी, ग़ाज़ियाबाद, उ0प्र0–201010, फोन: 9718500606

www.aamaadmiparty.org | Facebook: AamAadmiParty | Twitter: @AamAadmiParty